साहित्य में महाराजा छत्रसाल

सम्पादक
प्रो. बहादुर सिंह परमार

Scanned with OKEN Scanner

साहित्य में महाराजा छत्रसाल

सम्पादक
प्रो. बहादुर सिंह परमार
आचार्य
हिन्दी अध्ययनशाला एवं शोध केन्द्र
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं.17, विजय पार्क, दिल्ली-110053
मो. 08527460252, 09990236819
ईमेल:jtspublications@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित समस्त सामग्रियों का संपूर्ण दायित्व स्वयं लेखक का है। प्रकाशक इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

साहित्य में महाराजा छत्रसाल

सम्पादक

प्रो. बहादुर सिंह परमार

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : 2022
ISBN : 978-93-92611-85-8

प्रकाशन
जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं017, विजय पार्क, दिल्ली-110053
दूरभाष : 08527 460252, 99902368919
E-Mail : jtspublications@gmail.com

मूल्य : 500.00 रूपये
आवरण : राजीव कुमार शर्मा, दिल्ली
मुद्रक : तरूण ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

विषयानुक्रम

संपादकीय v

1. छत्रसाल : एक कृति व्यक्तित्व 11
2. छत्रसाल की राष्ट्रीयता 16
3. छत्रसाल की धार्मिक आस्था और नीति 27
4. महाराज छत्रसाल और महाकवि भूषण 40
5. छत्रप्रकाश और छत्रसाल 51
6. श्री राजा छत्रसाल जू देव को कटक बंध 63
7. महाराजा छत्रसाल 74
8. साहित्य में छत्रसाल 76
9. कथेतर साहित्य में महाराज छत्रसाल का व्यक्तित्व 82
10. महाराजा छत्रसाल के व्यक्तित्व निर्माण में महामति प्राणनाथ का योगदान 92
11. साहित्य में छत्रसाल 100
12. भूषण और लाल कवि : महाराजा छत्रसाल के संदर्भ में 105
13. साहित्य में छत्रसाल का गद्य में अवदान 111

Scanned with OKEN Scanner

14. समकालीन परिदृश्य में महाराजा छत्रसाल के काव्य की प्रासंगिकता 117
15. पुस्तकों के आलोक में महाराजा छत्रसाल 127
16. महाराजा छत्रसाल और महामति प्राणनाथ का अलौकिक मिलन 137
17. कलम और कृपाण के धनी वाँकुरे बुन्देला 154
18. बुंदेली वीरकाव्य में छत्रसाल 158
19. हिंदी सिनेमा और महाराजा छत्रसाल 163
20. रीतिकालीन समय और महाराजा छत्रसाल का काव्य 178
21. पत्रों के दर्पण में छत्रसाल 183
22. भारतीयता के पोषक महाराजा छत्रसाल 188
23. साहित्य में चित्रित महाराजा छत्रसाल : एक विवेचन 193

Scanned with OKEN Scanner

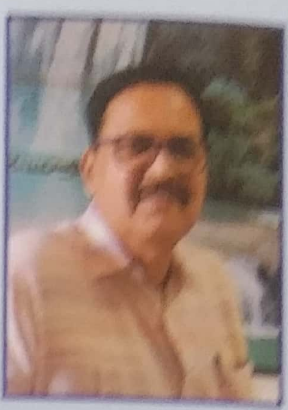

नामः डॉ. बहादुर सिंह परमार

पिता का नामः श्री रन्धीर सिंह परमार

पदः प्राध्यापक (हिन्दी)

जन्म तिथिः 04 जुलाई 1962

शैक्षिक योग्यताः एम.ए. (हिन्दी व अर्थशास्त्र)., पी–एच.डी.– अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय , रीवा

विशेषज्ञताः बुन्देली लोक साहित्य, संस्कृति एवम हिन्दी कथा साहित्य

प्रकाशन : 1. अमरकान्त का कथा साहित्य (शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)

2.बुंदेलखंड में छंदबद्ध काव्य परम्परा (म.प्र.आदिवासी लोककला अकादमी, भोपाल, 2006)

3.1857 के पहले बुंदेलखंड मे अंग्रेजों से संघर्ष (राजकीय संग्रहालय झाँसी, 2007)

4.आचार्य नंद दुलारे बाजपेयीः सृजन के विविध आयाम (महाराजा महाविद्यालय, छतरपुर)

5.बुन्देली व्यंजन (बुन्देली विकास संस्थान, बसारी, 2004)

6.बुंदेलखंड की साहित्यिक धरोहर (बुन्देली विकास संस्थान, बसारी, 2002)

7.छतरपुर जिले की बुन्देली लोक कथायें (महाराजा महाविद्यालय, छतरपुर 2006)

8.लोकसाहित्य में मानव मूल्य (महाराजा महाविद्यालय, छतरपुर 2011)

9. बुन्देली लोक साहित्य (ऐ.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2016)

10. सृजन की सार्थकता (जे0टी0एस0 पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2018)

11. होरी, प्रकाशक–आदिवासी लोककला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल 2019

सम्मान : 1– म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन का २००८ में वागीश्वरी सम्मान (आलोचना हेतु)।

2–म.प्र. साहित्य अकादमी द्वारा २०१६ में आचार्य नंददुलारे बाजपेयी पुरस्कार।

3– अनेक आँचलिक संस्थाओं द्वारा सम्मान।

सम्पादन : बुन्देली बसंत पत्रिका एवं बुंदेलखंड का इतिहास (12 भाग), बुन्देली लोककवि ईसुरी–डा एन आर चौरसिया तथा मिठौआ है ई कुंआ का नीर –संतोष सिंह बुंदेला के अतिरिक्त कई पुस्तकों का संपादन ।

एसोसिएटः आई.यू.सी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला (हि.प्र.)

सम्प्रतिः आचार्य, हिन्दी अध्ययन शाला एवं शोध केन्द्र, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर

₹ 500/-

ISBN 978-93-92611-85-8

9789392611858

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी–508, गली नं.17, विजय पार्क,
दिल्ली–110053
मो. 08527460252, 011–22911223
ईमेलः jtspublications@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner